License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

2 पतरस 1:1

2 पतरस किसने लिखा?

शमौन पतरस, यीशु मसीह के दास और प्रेरित ने यह पत्री या पुस्तक लिखी, जिसे हम 2 पतरस कहते हैं।

2 पतरस 1:1 (#2)

पतरस ने किसके नाम लिखी?

पतरस ने उन लोगों के नाम लिखी जिन्होंने उनके जैसा बहुमूल्य विश्वास प्राप्त किया था।

2 पतरस 1:3

उसके ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता है पतरस और विश्वास के प्राप्तकर्ताओं को कैसे दिया गया था?

उन्हें यह परमेश्वर की पहचान के द्वारा दिया गया था।

2 पतरस 1:3–4

परमेश्वर ने पतरस और विश्वास के प्राप्तकर्ताओं को ईश्वरीय सामर्थ्य ने सब कुछ जो जीवन और भक्ति से सम्बंध रखता है के साथ बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएँ क्यों दी?

उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि वे ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाए।

2 पतरस 1:5–7

अन्ततः, विश्वास के प्राप्तकर्ताओं को अपने विश्वास के द्वारा किसमें बढ़ना था?

उन्हें अन्ततः अपने विश्वास के द्वारा प्रेम में बढ़ना था।

2 पतरस 1:9

आत्मिक रीति से अंधा क्या भूल बैठा है?

वह अपने पूर्वकाली पापों से धुलकर शुद्ध होने को भूल बैठा है।

2 पतरस 1:10–11

यदि भाइयों ने अपने बुलाए जाने, और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भाँति यत्न किया, तो क्या होगा?

वे ठोकर नहीं खाएँगे, और उन्हें प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य में बड़े आदर के साथ प्रवेश करने को मिलेगा।

2 पतरस 1:12–14

पतरस क्यों समझते कि भाइयों को इन बातों की सुधि दिलाना उचित था?

क्योंकि उनके प्रभु यीशु मसीह ने उन्हें प्रगट किया था कि वे शीघ्र ही उनके डेरे को गिराएंगे।

2 पतरस 1:16–17

जिन्होंने यीशु के प्रताप को देखा था, उन्होंने क्या देखा?

उन्होंने देखा कि यीशु ने परमेश्वर पिता से आदर और महिमा पाई।

2 पतरस 1:19–21

हम कैसे निश्चित हो सकते हैं कि भविष्यद्वक्ताओं के वचन दृढ़ हैं?

क्योंकि पवित्रशास्त्र की कोई भी भविष्यद्वाणी किसी की अपने ही विचारधारा के आधार पर पूर्ण नहीं होती तथा कोई भी भविष्यद्वाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।

2 पतरस 2:1

झूठे उपदेशक विश्वासियों में छिप छिपकर क्या करेंगे?

झूठे उपदेशक विश्वासियों में नाश करनेवाले पाखण्ड का उद्घाटन करेंगे।

2 पतरस 2:1 (#2)

झूठे उपदेशक अपने आपको किसमें डाल देगा?

झूठे उपदेशक अपने आपको शीघ्र विनाश में डाल देगा।

2 पतरस 2:1–3

झूठे उपदेशक बातें गढ़कर क्या करेंगे?

झूठे उपदेशक लोभ के लिये भाइयों को लाभ का कारण बनाएँगे।

2 पतरस 2:4–6

परमेश्वर ने किसे नहीं छोड़ा?

परमेश्वर ने उन दूतों को जिन्होंने पाप किया नहीं छोड़ा, प्राचीन युग के संसार को भी न छोड़ा, और सदोम और गमोरा के नगरों को भी नहीं छोड़ा।

2 पतरस 2:5

जल-प्रलय के समय परमेश्वर ने किन्हें बचाया?

परमेश्वर ने नूह समेत आठ व्यक्तियों को बचाया।

2 पतरस 2:9

परमेश्वर ने कुछ को दण्ड देने और कुछ को परीक्षा में से निकाल लेने से क्या प्रगट किया?

परमेश्वर के कामों ने यह बताया कि प्रभु भक्तों को परीक्षा में से निकाल लेना और अधर्मियों को न्याय के दिन तक दण्ड की दशा में रखना जानते हैं।

2 पतरस 2:10–11

ऊँचे पदवालें कौन थे जिन्हें अधर्मी बिना डर के बुरा-भला कह रहे थे?

ऊँचे पदवालें स्वर्गदूत थे, जो प्रभु के सामने उन अधर्मियों को बुरा-भला कहकर दोष नहीं लगाते।

2 पतरस 2:14

झूठे उपदेशक किन्हें फुसला लेते हैं?

झूठे उपदेशक चंचल मनवालों को फुसला लेते हैं।

2 पतरस 2:15–16

किसने भविष्यद्वक्ता बिलाम को उसके बावलेपन से रोका?

एक अबोल गदही ने मनुष्य की बोली से बिलाम को रोका।

2 पतरस 2:19

व्यक्ति किसका दास बन जाता है?

व्यक्ति जिससे हार गया है, वह उसका दास बन जाता है।

2 पतरस 2:20–21

जब वे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह की पहचान के द्वारा संसार की नाना प्रकार की अशुद्धता से बच निकले, और उसमें फिर जाते, तो इससे भला क्या होता?

धार्मिकता के मार्ग को न जानना ही उनके लिये इससे भला होता।

2 पतरस 3:1–2

पतरस ने यह दूसरी पत्री क्यों लिखी?

उन्होंने यह इसलिए लिखी ताकि प्रिय लोग उन बातों को, जो पवित्र भविष्यद्वक्ताओं ने पहले से कही हैं और प्रभु और उद्धारकर्ता की उस आज्ञा को स्मरण करें।

2 पतरस 3:3–4

अन्तिम दिनों में हँसी-उपहास करनेवाले क्या कहेंगे?

हँसी-उपहास करनेवाले यीशु के आने की प्रतिज्ञा पर प्रश्न करेंगे और कहेंगे कि सब कुछ वैसा ही है, जैसा सृष्टि के आरम्भ से था।

2 पतरस 3:5–7

आकाश और पृथ्वी कैसे विद्यमान हुए, और उन्हें जलाने और भक्तिहीन मनुष्यों के न्याय और नाश होने के दिन के लिये कैसे रखा गया है?

वे परमेश्वर के वचन के द्वारा विद्यमान और रखे गए हैं।

2 पतरस 3:9

प्रभु प्रिय लोगों के विषय में धीरज क्यों धरते थे?

क्योंकि वे नहीं चाहते, कि कोई नाश हो; वरन् यह कि सब को मन फिराव का अवसर मिले।

2 पतरस 3:10

प्रभु का दिन कैसे आएगा?

प्रभु का दिन चोर के समान आ जाएगा।

2 पतरस 3:11–13

पतरस ने प्रिय लोगों से क्यों पूछा कि उन्हें पवित्र चाल चलन और भक्ति के विषय में कैसे मनुष्य होना चाहिए?

क्योंकि आकाश और पृथ्वी पिघलनेवाली है, और वे नये आकाश और नई पृथ्वी में धार्मिकता से वास करने की प्रतिक्षा करते थे।

2 पतरस 3:15–16

जो अनपढ़ और चंचल लोग पौलुस को मिली ज्ञान और पवित्रशास्त्र की अन्य बातों के साथ खींच तान करते हैं, उनके साथ क्या होगा?

उनके काम उनके ही नाश का कारण बनते हैं।

2 पतरस 3:17–18

भ्रम में फँसकर अपनी स्थिरता को हाथ से कहीं खोने के बदले, पतरस ने प्रिय लोगों को क्या करने की आज्ञा दी?

उन्होंने उन्हें प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह और पहचान में बढ़ने की आज्ञा दी।